48वां हनुमान जयंती समारोह के तीसरे दिन मानस मधुकर ने हनुमानजी की वीरता पर दी प्रवचन

हनुमान जी बुद्धि, विवेक,विनम्रता और समर्पण के प्रतीक

डिहरी ऑन सोन (आससे)। डालमियानगर रतु बीघा स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में आयोजित 48वें हनुमान जयंती समारोह के तीसरे



दिन रविवार की शाम पटना से आए प्रवचनकर्ता मानस मधुकर ने हनुमान जी की अद्भुत बुद्धि, अपार शक्ति, अदम्य साहस और भगवान श्रीराम के प्रति उनकी अटूट भक्ति का विस्तार से वर्णन किया। उनके प्रवचन को सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में उपस्थित रहे।

मानस मधुकर ने कहा कि हनुमान जी केवल शक्ति के प्रतीक ही नहीं, बल्कि बुद्धि, विवेक, विनम्रता और समर्पण की भी अनुपम मिसाल हैं। उनके जीवन से हमें सीख मिलती है कि अपार शक्ति होने के बावजूद मनुष्य को अहंकार से दूर रहना चाहिए। सच्ची शक्ति वही है, जिसका उपयोग दूसरों की भलाई और धर्म की रक्षा के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि धर्म सत्य है और हनुमान जी सत्य, सेवा एवं समर्पण के प्रतीक हैं। उनकी कृपा से बड़े से बड़े कठिन कार्य भी सहज हो जाते हैं।

उन्होंने रामायण के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब माता सीता की खोज के लिए समुद्र पार करने की चुनौती सामने आई, तब हनुमान जी ने अपनी भूली हुई शक्ति को पहचानकर असंभव दिखने वाले कार्य को संभव कर दिखाया। लंका पहुंचकर माता सीता का पता लगाना, रावण की सभा में निर्भीक होकर अपनी बात रखना और लंका दहन करना उनके अद्भुत पराक्रम का प्रमाण है। वहीं, लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर संजीवनी बूटी लाने के लिए पूरा पर्वत उठा लाना उनकी शक्ति, तत्परता और प्रभु के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि हनुमान जी के जीवन का सबसे बड़ा संदेश है कि अहंकार छोड़कर प्रभु के चरणों में स्वयं को समर्पित कर देना चाहिए। हनुमान जी के पास असीम शक्ति थी, लेकिन उन्होंने कभी उसका श्रेय स्वयं नहीं लिया। वे सदैव अपने प्रत्येक कार्य को प्रभु श्रीराम की कृपा और आदेश का परिणाम मानते रहे। श्रीराम के प्रति उनकी निष्काम भक्ति ही उन्हें भक्तों के हृदय में विशेष स्थान दिलाती है।

मानस मधुकर ने श्रद्धालुओं से हनुमान जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने, सत्य के मार्ग पर चलने, माता-पिता एवं गुरु का सम्मान करने तथा जरूरतमंदों की सेवा करने की अपील की। प्रवचन के दौरान जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा।

मौके पर हनुमान चालीसा ज्ञान यज्ञ संस्थान के अध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार सिंह, सचिव संजय सिंह बाला, नरेंद्र सिंह, राजेश प्रसाद केसरी, नीलम देवी, अखौरी मदन प्रसाद, बबलू, अशोक वर्मा, विनोद कसेरा, बलराम पांडेय, शिवपूजन पाठक, मीडिया प्रभारी अरुण कुमार, मानसिंह सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र में 24 वर्षीय युवक की हुई मौत

परिजनों ने केंद्र संचालक पर लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

डिहरी ऑन सोन (आससे)। सासाराम के नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र में 24 वर्षीय युवक की मौत के बाद परिजनों और अन्य मरीजों ने हंगामा किया। केंद्र संचालक पर मारपीट, इलाज में लापरवाही और पैसे मांगने के आरोप लगे हैं। हालांकि मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रोहतास जिले के सासाराम स्थित नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र में शनिवार को एक युवक की मौत पर जमकर हंगामा हुआ। घटना से नाराज मृत युवक के परिजन एवं केंद्र में भर्ती अन्य बच्चों ने हंगामा करते हुए केंद्र संचालक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल इस घटना के बाद नशा मुक्ति केंद्र की कार्यशैली पर कई सवाल उठ रहे है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृत युवक औरंगाबाद जिले के ओबरा (दुर्गा चौक) निवासी प्रेम कुमार सोनी का 24 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार सोनी बताया जाता है। वह शराब, गांजा और ब्राउन शुगर का आदी था, जिसको देखते हुए परिजनों ने उसे सासाराम स्थित नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र में बीते 15 अक्तूबर को भर्ती कराया था। परिजनों एवं हंगामा कर रहे अन्य लोगों का कहना है कि नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती बच्चों के साथ मारपीट की जाती थी। इनका ना तो समुचित इलाज होता था और ना ही समय से भोजन दिया जाता था। इसके अलावा परिजनों ने केंद्र संचालक पर मरीज से न मिलने देने और इलाज के नाम पर बार-बार पैसे की मांग करने का भी आरोप लगाया है।

हैरानी की बात है कि युवक की मौत के बाद परिजनों ने दाह संस्कार करने के बाद नशा मुक्ति केंद्र पर आकर हंगामा किया। लोगों ने प्रशासन से केंद्र के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं हंगामे के बाद कई परिजन अपने मरीज को केंद्र से निकाल कर घर ले जाने की तैयारी में हैं। बता दें कि इस दौरान घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की चूंकि घटना के बाद सासाराम स्थित नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है और जांच के बाद ही युवक की मौत मामले में प्रबंधन द्वारा बरती गई लापरवाही के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।मिली जानकारी के अनुसार नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र सासाराम में फिलहाल 50 बच्चे भर्ती हैं। केंद्र द्वारा भर्ती मरीजों को नशा से मुक्ति दिलाने एवं उनके समुचित इलाज के लिए प्रति व्यक्ति दस हजार रुपये की राशि ली जाती थी। यह भी बताया गया कि विशेष परिस्थिति में इलाज के लिए केंद्र द्वारा परिजनों से अतिरिक्त राशि भी मांगी जाती थी।

छात्र-छात्राओं के बीच प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

औरंगाबाद (आससे)। बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के बैनर तले रविवार को समाहरणालय स्थित नगर भवन में मैट्रीक एवं इंटरमीडिएट 2026 में प्रथम श्रेणी से उतीर्ण छात्र-छात्राओं के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समरोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल उतर प्रदेश के होम गार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मवीर प्रजापति, बिहार सरकार जदयू से नवनिर्वाचित एमएलसी शिवरानी प्रजापति, प्रदेश कोषाध्यक्ष कविन्द्र पाल, जिलाध्यक्ष ललन प्रजापति, सचिव गया प्रजापति ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर की। कार्यक्रम की शुरूआत समाज के बच्चियों द्वारा स्वागत गान से हुई। इसके बाद सभी अतिथियों को स्वागत सम्मान किया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि हम उतर प्रदेश से चलकर बिहार के औरंगाबाद आये है। पहले के अपेक्षा काफी कुछ बदलाव हुआ है। जहां केन्द्र और राज्य की सरकार एक ही पार्टी से होती है वहां संपूर्ण विकास होता है। यहां भी उतर प्रदेश की तरह विकास तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उतर प्रदेश में माफियाओं और गुंडाराज चलता था, लेकिन जब से योगी सरकार आई है तब से वहां सभी माफियाओं का राज समाप्त हो गया। अब उतर प्रदेश विकास की रफ्तार के नाम से जाना जाता है। कानून राज स्थापित हुआ है। बेटी, बहू और महिलाएं बिल्कुल सुरक्षति है। बिहार में भी सम्राट चैधरी की सरकार हर बिंदुओं पर तेजी से कार्य कर रही है। यहां पहले नक्सली के नाम से जिला जाना था, लेकिन आज नक्सलवाद बिल्कुल खत्म हो गया है।

कैबिनेट मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह हर समाज और हर जिलों में होना चाहिए। ताकि बच्चे अपने लक्ष्य के हिसाब से मेहनत कर उंची मंजील को पाएं। जब किसी छात्र-छात्रा को कम अंक आता है तो वे ऐसे कार्यक्रमों से सीख लेतें हैं कि हम भी अधिक अंक लाते तो सम्मानित होने का मौका मिलता। वहीं उनके अभिभावकों में भी प्ररेणा के साथ साथ बच्चों को आगे बढाने के लिए जिज्ञासा बढ़ती है।

जल्द उतर प्रदेश में चुनाव होने वाला है। तो बता दें कि संगठन और सरकार के निरंतर कार्य और संगठनात्मक विचारों से हमारा चुनावी जीत मिलती है। हमलोग चुनाव का इंतजार नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के योजनाओं को लेकर हमलोग हमेशा जनता के बीच रहते हैं और नित्य निरंतर कार्य करते हैं। इसी का परिणाम चुनाव के समय मिलता है। यूपी में 2017 में योगी जी की सरकार बनी। 2017 से पहले उतर प्रदेश में माफिया, गुंडाराज, जातिवाद के नाम से जाना जाता था, लेकिन जबसे योगी सरकार बनी तब से अब विकास राज्य के नाम से जाना जाता है।

बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के बैनर तले आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह से जिले के 11 प्रखंडों से मैट्रिक, इंटर में प्रथम श्रेणी से उतीर्ण लगभग 350 से अधिक छात्र-छात्राओं को एक मंच से सम्मानित किया गया। समिति द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि जो समाज के बच्चे बिहार राज्य स्तर पर टॉप होंगे उन्हें बाइक एवं उपहार देकर सम्मानित किया जाएगा। जिला सचिव गया प्रजापति ने बताया कि जिले के मैट्रिक में कुल 233 एंव इंटर में 128 बच्चे प्रथम श्रेणी से उतीर्ण किये थे, जिन्हें अतिथियों के हाथों मेडल, सर्टिफिकेट एवं मेमोंटों देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रजापति समाज के सैकड़ों लोगों नें एकजुटता के साथ खड़े रहें।

शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी आयोजित, शैक्षणिक गुणवत्ता पर हुई चर्चा

काराकाट (आससे)। प्रखंड के उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय जोरावरपुर में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया और बच्चों की पढ़ाई, स्कूल की व्यवस्था तथा उनके सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, गोष्ठी के दौरान बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने और कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देने को लेकर विचार-विमर्श हुआ। शिक्षकों ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजें, घर पर उनकी पढ़ाई पर ध्यान दें और समय-समय पर उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी लेते रहें। प्रधानाध्यापक ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय और परिवार दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है और बेहतर शैक्षणिक परिणामों के लिए शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों का सक्रिय सहयोग एवं भागीदारी अत्यंत जरूरी है, उन्होंने कहा कि शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी कमजोरियों को दूर कर सकते हैं और उनमें अनुशासन, नियमितता तथा पढ़ाई के प्रति सकारात्मक सोच विकसित कर सकते हैं।

कुशवाहा सभा भवन के पूर्व सचिव का हुआ निधन

सोन नदी तट पर दी गयी अंतिम विदाई

डिहरी ऑन सोन (आससे)। भगवान कुश मन्दिर सह कुशवाहा सभा भवन, डिहरी के पूर्व सचिव एवं समाजसेवी पूर्णमासी सिंह का शनिवार की देर शाम 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से कुशवाहा समाज सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार को कुशवाहा सभा भवन परिसर में उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर लोगों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। स्वर्गीय पूर्णमासी सिंह विद्युत विभाग में सम्मानित अभियंता के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वे एक कुशल सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। कुशवाहा सभा भवन के निर्माण में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके सामाजिक योगदान और सरल व्यक्तित्व को याद करते हुए समाज के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी अंतिम यात्रा में सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

इसके बाद सोनभद्र नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बिंदेश्वरी सिंह,अजय कुमार सिंह, कौशलेन्द्र कुशवाहा, अनुज कुशवाहा,लाल बिहारी सिंह,शिव कुमार सिंह, उर्मिला देवी, अभियंता लक्ष्मण सिंह, अरुण कुमार, संतोष कुमार, सुनील सिंह, वीरेंद्र प्रसाद, अशोक सिंह एवं हीरालाल सिन्हा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। सोनभद्र नदी तट पर लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। स्वर्गीय सिंह अपने पीछे चार पुत्र एवं एक पुत्री समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके पुत्रों में प्रो. प्रमोद कुमार, विनोद कुमार, मनोज कुमार एवं सुबोध कुमार शामिल हैं।

राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग पर बेल्ट्रॉन कर्मियों का सड़क मार्च



भभुआ/कैमूर (आससे)। राज्य कर्मी का दर्जा देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर बिहार राज्य डाटा एंट्री ऑपरेटर संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर रविवार को कैमूर जिला कमेटी के तत्वावधान में बेल्ट्रॉन कर्मियों ने सड़क मार्च निकाला। जगजीवन स्टेडियम से शुरू हुआ मार्च शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए समाहरणालय गेट तक पहुंचा। इसमें करीब 200 डाटा एंट्री ऑपरेटर, प्रोग्रामर, स्टेनोग्राफर तथा आईटी ब्वॉय-गर्ल शामिल हुए। कर्मियों ने कहा कि वे वर्षों से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, प्रखंडों एवं पंचायतों में ऑनलाइन डाटा तैयार करने, विभागीय अभिलेखों के संधारण और तकनीकी कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें राज्य कर्मी का दर्जा नहीं मिला है। संयुक्त मोर्चा के सदस्यों ने बताया कि बिहार में करीब 20 हजार बेल्ट्रॉन कर्मी कार्यरत हैं। लंबे समय तक सेवा देने के बावजूद स्थायी व्यवस्था नहीं होने से उनके भविष्य को लेकर चिंता बनी हुई है। कई कर्मियों की उम्र अन्य सरकारी नौकरियों की निर्धारित सीमा से अधिक हो चुकी है।

मोर्चा ने बेल्ट्रॉन कर्मियों को राज्य कर्मी का दर्जा देने तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को नोडल विभाग घोषित करने की मांग की।

सदस्य धनंजय पांडेय ने कहा कि कर्मियों ने अपने जीवन का बहुमूल्य समय सरकार की सेवा में लगाया है। अब सरकार को उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। मार्च में महेंद्र यादव, मोहम्मद इरफान, विशेश्वर नाथ, धीरज पांडेय, सुनील कुमार ,अजीत कुमार,हुस्नआरा गरिमा गौतम ,सिंपल कुमारी सहित बड़ी संख्या में कर्मी शामिल रहे।।

हथकरघा के हुनर से आत्मनिर्भर बनीं बेगम अफरोज, सालाना 10 लाख तक का कारोबार



भभुआ, कैमूर (आससे)। पारंपरिक हुनर और पारिवारिक सहयोग के बल पर ग्रामीण परिवेश में भी सफल उद्यम स्थापित किया जा सकता है। इसका प्रेरणादायक उदाहरण चैनपुर प्रखंड के गंगापुर ग्राम संगठन की सदस्य बेगम अफरोज ने प्रस्तुत किया है। मुस्लिम मिर्जा की पत्नी अफरोज हथकरघा पर दरी और कालीन निर्माण कर अपने परिवार को आत्मनिर्भर बना रही हैं।बेगम अफरोज का पूरा परिवार इस पारंपरिक व्यवसाय में जुटा है। परिवार के सभी सदस्य निर्माण प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाते हुए पूरे वर्ष मेहनत और लगन से विभिन्न प्रकार की दरी एवं कालीन तैयार करते हैं। तैयार उत्पादों को खुदरा और अन्य बाजारों में बिक्री के लिए भेजा जाता है। इस व्यवसाय से परिवार प्रतिवर्ष लगभग आठ से दस लाख रुपये का कारोबार कर रहा है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। जिलाधिकारी कैमूर कुमार अनुराग ने बेगम अफरोज के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय हुनर और पारंपरिक कौशल को स्वरोजगार से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत की जा सकती है। यह पहल पारंपरिक हथकरघा कला के संरक्षण और महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

टैक्स देने वाले लोग छोड़ें...

की सहायता उपलब्ध कराई जाती है और उनकी शैक्षणिक समस्याओं का समाधान किया जाता है। शिक्षा और ज्ञान अर्जन के माध्यम से ही हम आगे बढ़ सकते हैं।मुख्यमंत्री ने पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद के संस्थापक सायन कुणाल एवं सांसद श्रीमती शांभवी चौधरी को इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाना चाहिए, ताकि युवाओं को लोकतंत्र, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा सके। कार्यक्रम को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, सांसद श्रीमती शांभवी चौधरी एवं पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद के संस्थापक सायन कुणाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी, सांसद श्रीमती शांभवी चौधरी, विधायक विशाल प्रशांत, सीबीएसई पटना के क्षेत्रीय पदाधिकारी जंगम सुनील कुमार, पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद के संस्थापक सायन कुणाल, ज्ञान निकेतन स्कूल के प्राचार्य शैलेन्द्र मोहन झा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं युवा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को गोला रोड (रंजन पथ) स्थित ज्ञान निकेतन स्कूल परिसर में आयोजित दो दिवसीय %पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद-2.0% का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति से जुड़े लोगों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी स्व0 आचार्य किशोर कुणाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की नींव बिहार की धरती से पड़ी है। वर्ष 1947 में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष से देश आजाद हुआ। आजादी के 80 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हमें लोकतांत्रिक मूल्यों को और मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ निरंतर काम कर रहे हैं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। युवा पीढ़ी देश के भविष्य हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाने, देश की सभ्यता एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने तथा भारत को सशक्त राष्ट्र बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि वर्ष1974 के आंदोलन में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई थी। आज का दौर जेन-जी और जेन अल्फा का है। युवा पीढ़ी को लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में काम करना होगा। पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद जैसे आयोजन युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं: मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनता मालिक होती है और लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। जनता की आवाज और उनकी अपेक्षाओं को समझना सरकार की जिम्मेदारी है। जनता ने हमें काम करने का अवसर दिया है, इसका अर्थ यह नहीं कि हम स्वयं को भाग्य विधाता समझने लगें। जनहित में लिए गए निर्णयों और बनाए गए कानूनों की भी समय-समय पर समीक्षा करनी पड़ती है। जरूरत पड़ने पर उन्हें वापस भी लेना पड़ता है। सरकार जनता के द्वारा चुनी जाती है और जनता के हित में ही काम करती है। सफल वही होते हैं, जो जनता और विशेषकर युवा पीढ़ी की उम्मीदों को ध्यान में रखकर नीतियां बनाते हैं और निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी भी लगातार पांच बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। इन नेताओं ने जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी। जनता के लिए समर्पित भाव से काम करने वाले लोगों को जनता का विश्वास और समर्थन मिलता है। राजतंत्र की सोच रखने वाले लोग जनता की अपेक्षाओं को नहीं समझ पाते, जबकि लोकतंत्र में जनता की आवाज सर्वोपरि होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में साढ़े पांच करोड़ लोगों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं तथा 80 करोड़ लोगों को अनाज दिया जा रहा है। पेयजल, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया गया है। बिहार में अमीर से लेकर गरीब तक सभी को 125 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। राज्य सरकार प्रतिवर्ष प्रति परिवार 8 से 10 हजार रुपये तक बिजली सब्सिडी के रूप में खर्च कर रही है। बिजली सब्सिडी पर बिहार सरकार लगभग 23 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

100 फरेस कैच योजना...

के सचिव शीर्षत कपिल अशोक, निदेशक मत्स्य, तुषार सिंगला एवं विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसी क्रम मे मुख्यमंत्री के द्वारा झंडा दिखाते हुए, फ्रेश कैच कियोस्क के माध्यम से राज्य से बक्सर जिले के मत्स्यजीवी सहयोग समिति द्वारा सुइयां भागर जलकर से पकड़ी गई चेलहवा मछली (3 रूख़) को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी भेजा गया। फ्रेश कैच कियोस्क के माध्यम से राज्य में शहरी उपभोक्ताओं को स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण में ताजी मछलियां उपलब्ध होंगी। वहीं, मत्स्य पालकों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर और संगठित बाजार मिलेगा।

राज्य सरकार की सात निश्चय-3 योजना के तहत प्रदेश में कुल 100 फ्रेश कैच कियोस्क स्थापित करने की योजना है। इसके पहले चरण में 30 और दूसरे चरण में 70 कियोस्क खोले जाएंगे। इनके माध्यम से उपभोक्ता जीवित और ताजी मछलियां खरीद सकेंगे।

योजना का कार्यान्वयन जिला मुख्यालयों, अनुमंडलों और प्रखंडों तक विस्तारित किया जाएगा। मंत्री नंदकिशोर राम जी ने बताया कि पहले चरण में पटना, नालंदा, भोजपुर, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, बेतिया (पश्चिम चंपारण), साथ ही दूसरे चरण में गया जी, मोतिहारी, कैमुर, रोहतास, नालंदा, एवं पटना के मछुआटोली, पाटलिपुत्र, कंकड़बाग, ऊर्जा स्टेडियम बीएसईबी कॉलोनी, राजबाजार, फुलवारीशरीफ में कियोस्क का अधिष्ठापन किया जाएगा। इसके अलावा इस योजना का कार्यान्वयन जिला मुख्यालयों, अनुमंडलों और प्रखंडों तक विस्तारित किया जाएगा। इसका क्रियान्वयन डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के अंतर्गत मत्स्य निदेशालय और बिहार एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएआईडीसीएल) के माध्यम से किया जा रहा है.

फ्रेश कैच कियोस्क में मछलियों के सुरक्षित भंडारण और बिक्री के लिए कोल्ड चेन, डीप फ्रीजर, डिस्प्ले काउंटर, स्वच्छ जल, जल निकासी, बिजली और बैकअप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

योजना के तहत एक फ्रेश कैच कियोस्क की निर्धारित इकाई लागत 11 लाख रुपये है। संभावित मूल्य वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इसकी अधिकतम लागत 13.20 लाख रुपये आंकी गई है। सरकार द्वारा निर्धारित इकाई लागत का 80 प्रतिशत अथवा वास्तविक निर्माण लागत, दोनों में से जो भी कम होगी, उसका वहन करेगी। कियोस्क के निर्माण के लिए एजेंसी या संवेदक का चयन निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। वहीं, संचालन के लिए निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुसार संचालकों का चयन किया जाएगा। केंद्रों के रखरखाव और नियमित संचालन की जिम्मेदारी संबंधित संचालकों की होग

फ्रेश कैच कियोस्क स्थापित होने से मत्स्य पालकों, मछली किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) और मत्स्य सहकारी समितियों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए व्यवस्थित बाजार उपलब्ध होगा। कियोस्क संचालकों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मत्स्य निदेशालय एवं बीएआईडीसीएल के माध्यम से मछलियों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत आपूर्ति नेटवर्क विकसित किया जाएगा।इससे मत्स्य पालकों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार मिलेगा। साथ ही कियोस्क के संचालन और मछलियों की आपूर्ति से जुड़े कार्यों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। के नाम की पहचान सुनिश्चित होंगी।

पीएम मोदी ने छह...

गौरवशाली विरासत, समृद्ध संस्कृति और अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता की भूमि है। यहां के विश्व-प्रसिद्ध धरोहर स्थल इसकी भव्य ऐतिहासिक पहचान को और भी बढ़ाते हैं।

छत्तीसगढ़ के लोगों को भेजे अपने संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि राज्य नक्सलवाद को जड़ से खत्म करते हुए विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, राज्य स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ के सभी निवासियों को हार्दिक बधाई।

हरियाणा के लोगों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गौरवशाली इतिहास, असाधारण वीरता और समृद्ध संस्कृति से सजा यह राज्य देश की शान है। उन्होंने कहा कि यहां की लोक परंपराएं और जीवंत ग्रामीण संस्कृति ने हमेशा देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है।उन्होंने कहा, जहां हमारे खिलाड़ी तिरंगे का मान बढ़ाते हैं, वहीं हमारे किसान (अन्नदाता) देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं। कन्नड़ राज्योत्सव पर कर्नाटक के लोगों को हार्दिक बधाई देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक समृद्ध परंपराओं, उल्लेखनीय उपलब्धियों और अपार संभावनाओं की भूमि है। पीएम मोदी ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और एयरोस्पेस से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप्स तक, कर्नाटक के लोगों ने बार-बार अपनी कुशलता का परिचय दिया है।

वोट बचाओ, देश बचाओ का...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि इन लोगों को तो अब सपने में भी कांग्रेस दिखाई देने लगी है। पहले तो इन्हें नींद आने में दिक्कत होती है, और जब नींद आती भी है, तो सपने में कांग्रेस दिखती है। यह डर देखकर अच्छा लग रहा है, उनसे कहिए कि अब वे अपने दिन गिनना शुरू कर दें, उनके जाने का समय आ गया है। वे जाने वाले गृह मंत्री हैं... गृह मंत्री सब देख रहे हैं, इसीलिए वे इस तरह की बातें कर रहे हैं। यह एक बेहद सफल रैली थी। मैं पिछले 30 सालों से रामलीला मैदान में हो रही रैलियों को देख रहा हूं, और मैंने इतनी बड़ी रैली पहले कभी नहीं देखी। यह बहुत ही सफल रैली रही। रामलीला मैदान तो मुख्य केंद्र था ही, लेकिन पूरे शहर में भीड़ ही भीड़ नज़र आ रही थी।

राजद प्रमुख तेजस्वी यादव ने रामलीला ग्राउंड में सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह एक दिखावटी चुनाव था। मैंने पहले भी मांग की थी। बंगाल और बिहार में हुए चुनाव पूरी तरह से फर्जी थे। वहां फिर से चुनाव कराए जाने चाहिए। बिहार में अभी जो एमएलसी चुनाव हो रहे हैं, वे बैलेट के जरिए हो रहे हैं। अब बीजेपी बहुत बड़ी मुसीबत में है।उन्हें अपना खाता खोलने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। वे अपनी ही सीटें हार रहे हैं। बीजेपी देश की जनता चाहती है कि लोकतंत्र को कुचलने वालों को सबक सिखाया जाए, और वे चाहते हैं कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज हो।

रामलीला ग्राउंड में विपक्ष की रैली में भारी भीड़ जुटी है। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए पीएम मोदी और अमित शाह पर जमकर निशाना साधा। इस पूरे घटनाक्रम पर शशि थरूर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें भीड़ दिखाई दे रही है। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं के शानदार लेकिन संक्षिप्त भाषणों के बाद, राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे को सीधे तौर पर उठाया है। आज लोगों की भारी भीड़ यह साफ कर देती है कि वोट बचाओ, देश बचाओ का संदेश लोगों तक पहुँच गया है।

भागलपुर में नितिन नवीन आज...

इस पदयात्रा में उनके साथ बिहार सरकार के कई मंत्री, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार यह पदयात्रा लगभग एक किलोमीटर तक होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम को लेकर पूरे शहर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। बीजेपी की ओर से शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और सड़कों पर बड़े-बड़े होर्डिंग और बैनर लगाए जा रहे हैं। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं।

देश में अराजकता फैलाने की...

बताना चाहता हूं कि आपकी राजनीति का मॉडल क्या है। इसका पहला चरण झूठ और अफवा